लायन के.सी. बंसल

निवृतमान प्रान्तपाल 2006-07
प्रान्त 323 ई-1
4/94, Surya Path
Jawahar Nagar, Jaipur-302004
Tel. (O) 0141-2360506 (R) 2655888
Mob. 9829065050

जीवन परिचय

लायन के.सी. बंसल नाम है एक ऐसे सौम्य, स्वच्छ, ऊर्जावान, बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व का जिसका जन्म अरावली की सुरम्य विहंगम पहाड़ियों की गोद में बसे शहर अलवर में 18 जुलाई, 1957 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। आपने सम्पूर्ण शिक्षा अलवर में प्राप्त करते हुए एम.ए. परीक्षा अंग्रेजी साहित्य में वर्ष 1977 में उत्तीर्ण की और 1977 में ही औषधि के क्षेत्र में अपना पहला कदम बढ़ाया हाल ही में वर्ष नवम्बर 2004 में आपको जन सेवा में आउटस्टेंडिंग सर्विस देने के कारण विश्वविख्यात 'इंदिरा गाँधी प्रियदर्शनी पुरस्कार' से तीनमूर्ति भवन नई दिल्ली में नवाजा गया है।

पीड़ित मानवता की सेवा का जुनून लिए आप विश्व की प्रमुख सेवा संस्था लायन्स क्लब्स इन्टनेशनल से जुड़े और मात्र आठ साल में आपने लायन्स क्लब में विभिन्न पदों पर अपनी योग्यता का परिचय दिया और आज इसी और आज इसी सेवा और मधुर व्यवहार के कारण लायन साथियों ने अपना समर्थन देते हुए वर्ष 2006-07 के लिए आपको प्रान्तपाल पद पर चुनकर अपना विश्वास व्यक्त किया है।

लायन बंसल कई अन्य समाजसेवी एवं धार्मिक संस्थाओं से महत्त्वपूर्ण पदों पर जुड़े रहे है। समय की महत्ता को सर्वाधिक महत्त्व देते हुए कार्य के प्रति कर्मठ, जुझारू, मेहनती एवं मधुर भाषी व्यवहारिक व्यक्तित्व आपने अपने पिताश्री स्व. श्री रामजीलाल बंसल साहब से प्राप्त किया है। गोल्फ खेलने के अत्यधिक शौकीन लायन बंसल काफी समय से वर्ल्ड वाइड वेब से सर्वदा जुड़े रहना पसंद करते है। लायन बंसल आज के इस वैज्ञानिक युग में सभी लायनों को अपडेट रहने का निवेदन करते है और पेपरलेस कार्य करके अपना अधिकांश समय बचाते हुए सेवा कार्य करने का विचार रखते है।

आपका मानना है कि हम हमारे वरिष्ठ लायन साथियों द्वारा जो कार्य आदेश-निर्देश सौंपे गए है उन्हें शीघ्र निपटाना होगा और बहुत तीव्र गति से अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करनी होगी। इसके लिए हमें वैज्ञानिक तकनीकों का भी प्रयोग करना होगा।

कहते है किसी भी सफलता के पीछे एक स्त्री का हाथ अवश्य होता है यहां भी लायन बंसल को अपनी सहधर्मिणी संतोष बंसल का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। संतोष जी ने दिन रात सारे कामकाज के बाजवूद इनकी एक शक्ति के रूप में कार्य किया। आपके दो पुत्र है। अग्रज इम्शु है और दूसरे अनुज है। आप दोनों भी अपने पिताजी के सभी कार्यों के प्रति सम्मान रखते है और अच्छी शिक्षा प्राप्त कर कुछ अच्छा करना चाहते है।